संस्कृत विभाग
वार्षिक रिपोर्ट
सत्र 2025–2026

संस्कृत विभाग द्वारा सत्र 2025–26 में छात्राओं के बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न शैक्षणिक, सह–पाठ्यक्रम एवं विस्तार गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। संस्कृत भाषा केवल एक विषय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं ज्ञान–विज्ञान की आधारशिला है। विभाग का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति रूचि जागृत करना, भारतीय ज्ञान परम्परा से परिचित कराना तथा नैतिक मूल्यों का विकास करना है।

(क) संस्कृत साहित्य–परिषद का गठन (10 जुलाई 2025):–

सत्र 2025–2026 के लिए संस्कृत विभाग के अंतर्गत 'संस्कृत साहित्य परिषद' का गठन किया गया। परिषद का उद्देश्य छात्राओं में साहित्यिक अभिरूचि, संगठनात्मक क्षमता तथा नेतृत्व कौशल का विकास करना है। जिस के माध्यम से विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन किया गया, जिससे छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्राप्त हुआ। इस परिषद् में प्रधान के रूप में सुश्री नीरज (तृतीय वर्ष), उपप्रधान के रूप में सुश्री सुशीला (द्वितीय वर्ष), सचिव के रूप में सुश्री स्वाति (प्रथम वर्ष) को मनोनित किया गया। परिषद के सभी सदस्यों ने अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

(ख) प्रतियोगिताएः–

1. दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय–प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (09–10 अगस्त 2025):–

संस्कृत विभाग द्वारा 09 एवं 10 अगस्त 2025 को विश्व संस्कृत दिवस के अवसर पर दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी में संस्कृत साहित्य, भारतीय संस्कृति, इतिहास एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए। इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं के ज्ञान, तर्कशक्ति एवं त्वरित निर्णय क्षमता का विकास हुआ।

2. प्रतिभा खोज कार्यक्रम (25 सितम्बर 2025):–

प्रतिभा खोज कार्यक्रम के अन्तर्गत विभाग द्वारा श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने संस्कृत श्लोकों का शुद्ध उच्चारण, उचित लय एवं भावपूर्ण शैली में प्रस्तुतीकरण किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं की भाषाई दक्षता, उच्चारण कौशल एवं आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। यह प्रतियोगिता छात्राओं के लिए अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट मंच सिद्ध हुई।

3. पोस्टर–बनाओ प्रतियोगिता (18 अक्टूबर 2025):–

संस्कृत विभाग द्वारा 'दीपावली' विषय पर पोस्टर–बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने भारतीय संस्कृति, परम्पराओं एवं पर्वों की महता को दर्शाते हुए अत्यन्त आकर्षक एवं सृजनात्मक पोस्टर तैयार किए। इस गतिविधि के माध्यम से छात्राओं की रचनात्मकता, कल्पनाशीलता एवं कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन मिला।

(ग) कार्यशालाएँः–

1. एक दिवसीय कार्यशाला (20 नवम्बर 2025)ः–

   संस्कृत विभाग द्वारा ‘श्रीमद्भगवद्गीता’ पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें गीता के प्रमुख सिद्वान्त कर्मयोग, ज्ञान योग एवं भक्तियोग–को सरल भाषा में समझाया गया। जिसमें छात्राओं को यह बताया गया कि गीता के उपदेश आज के जीवन में भी उतने ही प्रासंगिक हैं और यह जीवन प्रबंधन की एक उत्कृष्ट मार्गदर्शिका है।

2. एक दिवसीय कार्यशाला (05 फरवरी 2026)ः–

   संस्कृत विभाग द्वारा ‘आधुनिक युग में संस्कत नाटक की भूमिका’ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्कृत नाट्य परम्परा की वर्तमान समय में उपयोगिता एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया। छात्राओं को नाटक की संरचना, संवाद प्रस्तुति , अभिनय कला एवं मंच संचालन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया। इस कार्यशाला ने छात्राओं की रचनात्मक एवं अभिनय क्षमता को विकसित किया।

3. एक दिवसीय कार्यशाला (20 फरवरी 2026)ः–

   संस्कृत विभाग द्वारा ‘संस्कृत साहित्य में नैतिक मूल्यों’ पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में छात्राओं को आदर्श जीवन, कर्तव्यबोध, सत्यनिष्ठा एवं नैतिक आचरण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। इस कार्यक्रम ने छात्राओं को अपने दैनिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा सामाजिक उत्तरदायित्व को समझने के लिए प्रेरित किया।

(घ) युवा महोत्सव में उपलब्धिः–

संस्कृत विभाग की छात्राओं ने 23–24 नवम्बर 2025 को आयोजित सफीदों क्षेत्रीय युवा महोत्सव तथा 21–23 फरवरी 2026 को आयोजित अन्तर –क्षेत्रीय युवा महोत्सव में ‘संस्कृत नाटक’ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि छात्राओं की मेहनत, समर्पण एवं विभाग के मार्गदर्शन का परिणाम है। इस सफलता ने महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

(ड़) जागरूकता अभियान (03 अप्रैल 2026, ग्राम खोखरी)ः–

संस्कृत विभाग द्वारा ग्राम खोखरी में एक दिवसीय ‘महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान का’ आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत ग्रामीण महिलाओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। जिसमें महाविद्यालय की 50 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

निष्कर्षतः संस्कृत विभाग भविष्य में भी इसी प्रकार के ज्ञानवर्धक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा ताकि छात्राओं में ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास एवं नैतिक मूल्यों में वृद्वि को प्रोत्साहन मिले।

डॉ. नीलम रानी

संस्कृत विभाग